



मिस्र की सभ्यता

(Egyptian Civilization)



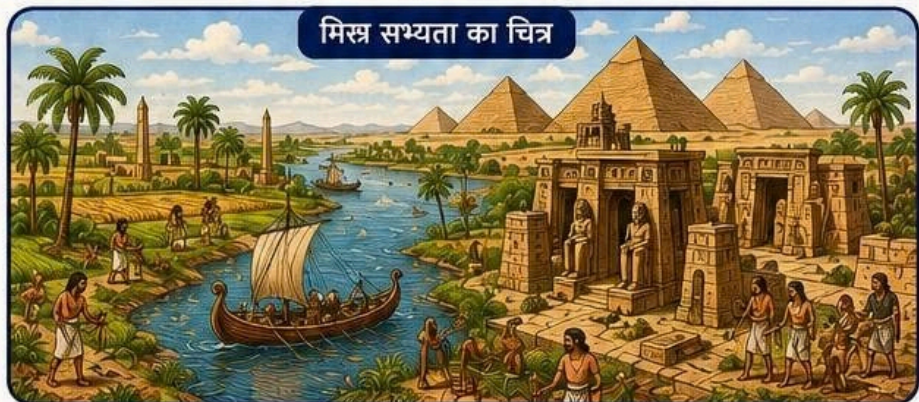
www.championsbooks.shop

परिचय : मिस्र की सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक थी। यह सभ्यता नील नदी के किनारों पर लगभग 3100 ई.पू. के आसपास विकसित हुई। मिस्र को 'नील नदी का उपहार' कहा जाता है। यह अपनी कला, वास्तुकला, पिरामिड, ममी निर्माण और रहस्यमयी लिपि (हाइरोग्लिफ्स) के लिए प्रसिद्ध है।

भौगोलिक स्थिति

- ★ मिस्र उत्तर-पूर्वी अफ्रीका में स्थित है।
- ★ नील नदी उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है।
- ★ नील नदी ने उपजाऊ भूमि प्रदान की, जिससे कृषि और सभ्यता का विकास हुआ।
- ★ ऊपरी मिस्र और निचला मिस्र – इन दोनों भागों को मिलाकर एक राज्य बना।

मिस्र सभ्यता का चित्र



उत्पत्ति और काल

उत्पत्ति	लगभग 3100 ई.पू.
एकीकरण	लगभग 3000 ई.पू. (ऊपरी और निचले मिस्र का एकीकरण)
प्रमुख काल	प्राचीन साम्राज्य, मध्य साम्राज्य, नवीन साम्राज्य
अंत	30 ई.पू. (रोमन शासन के अधीन)

मुख्य विशेषताएँ

- पिरामिड निर्माण और विशाल मंदिर।
- ममी निर्माण की अनोखी कला।
- हाइरोग्लिफ्स लिपि का विकास।
- कृषि, विज्ञान, गणित और चिकित्सा में प्रगति।
- सूर्य देव 'रा' और मृत्यु देव 'ओसिरिस' की पूजा।
- महान फ़राओं (शासक) – जैसे खुफू, तुतनखामेन, रामेसेस द्वितीय।



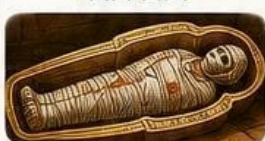
मिस्र सभ्यता की प्रमुख उपलब्धियाँ

पिरामिड



मिस्र के फ़राओं अपने मृत शासकों के लिए विशाल पिरामिड बनवाते थे। गीजा के पिरामिड विश्व के सात अजूबों में से एक हैं।

ममी निर्माण



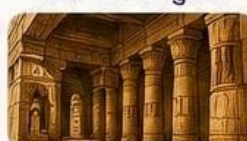
शरीर को सुरक्षित रखने की विशेष विधि को ममी निर्माण कहते थे, ताकि मृत्यु के बाद आत्मा वापस आकर शरीर में प्रवेश कर सके।

लिपि (हाइरोग्लिफ्स)



मिस्रवासियों ने चित्रलिपि (हाइरोग्लिफ्स) का आविष्कार किया, जो दीवारों, पत्थरों और पपीरस पर लिखी जाती थी।

कला और वास्तुकला



मंदिरों, मूर्तियों, स्तंभों और चित्रकला में मिस्रवासियों की कला अत्यंत उन्नत और भव्य थी।

विज्ञान और गणित



मिस्रवासियों ने गणिता पद्धति, मापन, कैलेंडर (365 दिन) और ज्यामिति में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

धर्म और मान्यताएँ

- मिस्रवासी बहुदेववादी थे।
- प्रमुख देवता – रा (सूर्य देव), ओसिरिस (परलोक के देवता), आईसिस (माता देवी), होरस (आकाश देवता)।
- वे मृत्यु के बाद के जीवन में विश्वास करते थे।
- मंदिरों में देवताओं की पूजा और विशाल अनुष्ठान होते थे।



समाज और शासन व्यवस्था

- फ़राओ (Pharaoh) को ईश्वर का प्रतिनिधि माना जाता था।
- वह शासन, न्याय, धर्म और सेना का प्रमुख होता था।
- समाज में पुजारी, अधिकारी, सैनिक, लेखक, व्यापारी, किसान और दास होते थे।
- कृषि मुख्य व्यवसाय था। नील नदी की बाढ़ से उपजाऊ मिट्टी और समृद्धि मिलती थी।



प्रमुख फ़राओ (शासक)

- नारमेर – मिस्र का एकीकरण किया।
- खुफू (Cheops) – महान पिरामिड बनवाया।
- रामेसीस द्वितीय – महान विजेता था।
- तुतनखामेन – जिसका मकबरा 1922 में खोजा गया।



महत्व

- मिस्र की सभ्यता ने मानव इतिहास में कला, विज्ञान, वास्तुकला, लेखन और शासन के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया।
- इसने आने वाली यूनानी, रोमन और अन्य सभ्यताओं को गहरा प्रभावित किया।



पतन के कारण

- आंतरिक संघर्ष और कमजोर शासन।
- विदेशी आक्रमण – हिकशोस, फारसी और अंत में रोमन।
- धीरे-धीरे मिस्र रोमन साम्राज्य का भाग बन गया।



नोट : मिस्र की सभ्यता मानव बुद्धि, आस्था और परिश्रम की अद्विष्ट मिसाल है। नील नदी के किनारे विकसित यह सभ्यता आज भी विश्व की महानतम प्राचीन सभ्यताओं में गिनी जाती है।

